'अप्प दीपो भव'

वॉयस ऑफ बुद्धा

Postal Reg. No.-DL(ND)-11/6144/2016-18
WPP Licence No.- U(C)-101/2016
R.N.I. No. 68180/98

Date of Publication : 31.10.2016
Date of Posting on concessional rate :
2-3 & 16-17 of each fortnight

मूल्य : पाँच रूपये

प्रेषक : डॉ0 उदित राज ;राम राजद्ध चेयरमैन – जस्टिस पब्लिकेशंस, टी–22, अतुल ग्रोव रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली–110001, फोन : 23354841–42

Website : www.uditraj.com E-mail: parisangh1997@gmail.com

● वर्ष : 19 ● अंक 23 ● पाक्षिक ● द्विभाषी ● कुल पृष्ठ संख्या 8 ● 16 से 31 अक्टूबर, 2016

बाईस इस्लामी देश तीन तलाक को कब का रद्द कर चुके हैं

अपना हक चाहती हैं मुस्लिम औरतें

– नूर जहीर

मौलवी तो बुर्का पहने हुए आंदोलनकारी महिलाओं को बदतरीन गालियां दे रहे हैं। इससे ज्यादा वे और क्या बदनाम होंगी।

एक दिन मैंने एक मुसलमान सज्जन से पूछा, 'क्या आप समझते हैं कि कोई भी महिला पति की दूसरी शादी को पसंद करेगी या एकतरफा तीन तलाक को खुशी से कबूल करेगी।' वे बोले, 'अगर वह एक अच्छी मुसलमान है तो जरूर करेगी।' यहीं आकर इस गंभीर मुद्दे पर बहस रुक जाती है।

मौलवियों का कहना है उनके अनुसार चलना ही 'अच्छा मुसलमान' होने की कसौटी है, भले ही उनका कहा कुरआन के खिलाफ हो। यह तो मौलवी भी मानते हैं कि कुरआन एक बार में तीन तलाक को गलत बतलाता है। पहली, दूसरी बार तलाक कहने के बाद एक माह दस दिन, और तीसरी बार के बाद 3 माह दस दिन की इद्दत के बाद ही तलाक माना जाना चाहिए। लेकिन ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड में बैठे मौलाना कहते हैं कि आज अगर इसे लागू किया गया और पुरुषों को दो महीने बीस दिन इंतजार करना पड़ा तो वे अपनी पत्नियों का खून कर देंगे।

शिया समुदाय में नहीं

इतनी बेकरारी है सुन्नी मुस्लिम पुरुषों में कि उनसे 80 दिन इंतजार नहीं होगा या मौलाना आज सड़क पर

(शेष पेज 2 पर....)

28 नवंबर की रैली आर-पार की लड़ाई

सामाजिक एवं कर्मचारियों– अधिकारियों की सोच में यह बैठ गया है कि हमारे नेता संसद और विधानसभाओं में क्यों नहीं आवाज उठाते ? इंतजार करते हुए लगभग 70 साल गुजर गए। क्या उनके इंतजार में हम अपने अधिकारों एवं सम्मान की बलि चढ़ते देखते रहेगें ? जनतंत्र में डंडे की जोर पर बोलवाया नहीं जा सकता और यह कार्य स्वतः की इच्छा और समर्पण से ही होते हैं। आम लोगों की सोच है कि आखिर में हमारे सांसद, विधायक व नेता क्यों नहीं दो टूक कहते। इतना आसान नहीं है, जैसा कि लोग सोचते हैं। क्या टिकट मांगने वालों की कमी है ? क्या स्वार्थियों की कमी है ? जो आवाज उठाते हैं, उन्हें दरकिनार करके चमचा और दब्बू को मौका दिया जाता है। यही समाज है जो आवाज उठाने वालों का गला घोट दिया जाता है। या दरकिनार कर दिया जाता है। तो क्या समाज उनका साथ देता है। जिस दिन यह मानसिकता टूट जाएगी कि लड़ाई समाज को लड़ना है और नेताओं को भूल जाएंगें, उस दिन से ही हमारा भला होना शुरू हो जाएगा। डॉ. उदित राज ने कोई कमी नहीं छोड़ी कि नेताओं को इकट्ठा करके पदोन्नति और निजी क्षेत्र में विधेयक पास हो, लेकिन साथ नहीं मिला और न मिलने वाला है। निजी क्षेत्र में आरक्षण के लिए प्राइवेट मेंबर बिल प्रतिस्थापित तो कर दिया है, तो समाज क्यों चुप है ? कहां गए तथाकथित अम्बेडकरवादी ? निजी क्षेत्र में आरक्षण का यह बिल क्या सवर्णों के लिए है कि वे आकर सहयोग देगें। जब यह बिल दलितों–आदिवासियों का है तो क्या वे जाट, मराठा, पटेल समाज की तरह मैदान में आए ? यह जान लेना जरूरी है कि इनके आंदोलनों में नेता नदारद थे और समाज शामिल हुआ है। ऐसा ही 28 नवंबर, 2016 को रामलीला मैदान, दिल्ली में आयोजित रैली को सफल बनाने के लिए करना होगा।

महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन आरक्षण के लिए चल रहा है। मराठा वहां के हुक्मरान हैं। व्यापार, शिक्षा, कृषि, राजनीति सभी क्षेत्रों में उनका दबदबा है, फिर भी आरक्षण के लिए लाखों–लाख की संख्या में जुट रहे हैं और जिसे चाहिए, वे इंतजार कर रहे हैं कि नेता लड़ेगें। अनुसूचित जाति/जन जाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ हजारों संगठनों का संगठन है। सभी संगठन कम से कम एक दिन एक साथ आ जाएं तो भी हम बहुत कुछ कर सकते हैं।

रैली हेतु संपर्क सूत्र

जो साथी 9 अक्टूबर को दिल्ली के सम्मेलन में नहीं आ पाए थे और प्रचार सामाग्री नहीं मिली है, वे राष्ट्रीय कार्यालय में सुमित कुमार से सम्पर्क करके मंगवा लें और अपनी ओर से भी स्थानीय साथियों के नाम के साथ छपवाकर वितरित करें। जिन साथियों के मोबाइल नंबर, ईमेल, व्हाट्सअप, फेसबुक हमारे पास है, उन्हें सूचनाएं भेजी जाती रहती हैं। जिन्हें सूचनाएं नहीं प्राप्त हो रही हैं उनके भी विवरण भेजें, जिससे कि राष्ट्रीय कार्यालय से रैली के संबंध में सूचनाएं भेजी जा सकें।

रैली में भाग लेने के लिए जो साथी रेलवे में सीटें आरक्षित करवा चुकें हैं और वेटिंग में है, विवरण ईमेल या व्हाट्सअप या एसएमएस द्वारा भेजें, जिससे कि सीटें कन्फर्म करायी जा सकें। जिन्होंने नहीं कराया है, अतिशीघ्र करवा लें।

रेलवे कर्मचारी–अधिकारी सूचनाएं प्राप्त करने व अन्य जानकारी हेतु राष्ट्रीय कार्यालय में सचिव मो. 9560035350, परिसंघ से संबंधित जानकारी एवं प्रचार सामाग्री प्राप्त करने, रेलवे के पी.एन.आर. भेजने एवं अन्य जानकारी हेतु सुमित मो. 9868978306, रैली में भाग लेने हेतु दिल्ली में ठहरने एवं खाने की व्यवस्था की जानकारी हेतु संजय राज मो. 9654142705 से सम्पर्क करें। कितने साथियों के साथ रैली में भाग लेगें, यदि इसकी सूचना अग्रिम में दे दी जाए तो अच्छा रहेगा, जिससे कि ठहरने एवं खाने–पीने की व्यवस्था पहले से ही की जा सके।

– डॉ. उदित राज, राष्ट्रीय चेयरमैन

www.facebook.com/parisangh.all.india
9717046047
@Parisangh1997
parisangh1997@gmail.com

धनबाद में परिसंघ का प्रांतीय सम्मेलन सम्पन्न

दलित-आदिवासियों के विकास से ही भारत होगा विकसितः डॉ. उदित राज

जामाडोबा : विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में भारत तभी खड़ा हो सकेगा। जब यहां रहने वाले दलित, आदिवासियों का हर स्तर से विकास होगा। उक्त बातें जियलगोरा गेस्ट हाउस में मंगलवार को अनुसूचित जाति/जनजाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ के प्रदेश सम्मेलन में अनुसूचित जाति/जन जाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदित राज ने कही।

उन्होंने कहा कि दलित और आदिवासियों के विकास को निजी क्षेत्र में आरक्षण व दलित उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलन करने की जरूरत है। दलित और आदिवासी परिसंघ से जुड़कर इसे मजबूत करें। एक नहीं रहेंगे तो आरक्षण नीति समाप्त हो जाएगी। केंद्र सरकार से सफाई का काम करने वाले कर्मियों के स्थायीकरण की मांग डॉ. उदित राज ने की। कहा कि निजी उपक्रमों को बंद कर इनका भी सरकारीकरण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोल इंडिया आउटसोर्सिंग के माध्यम से दलितों, आदिवासियों का शोषण कर रहा है। कोल इंडिया से लड़ाई लड़कर जेबीसीसीआइ में एक दलित प्रतिनिधि का सीट सुनिश्चित करवाएंगे।

जिला अध्यक्ष छोटू राम ने कहा कि आगामी 28 नवंबर को रामलीला मैदान, दिल्ली में होने वाली रैली में दलित व आदिवासी लाखों की संख्या में पहुंचकर अपनी एकता दिखाएं। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश उपाध्यक्ष बृजनंदन प्रसाद ने कहा कि बीसीसीएल में आउटसोर्सिंग कंपनियां पुलिस से मिलकर काम मांगनेवाले दलितों पर लाठियां चलाती हैं। इस पर रोक लगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलितों का जाति प्रमाणपत्र मूलवासी नहीं होने पर नहीं बन रहा है। ये लोग रोजगार से वंचित हो रहे हैं।

गिरिडीह जिला परिषद के उपाध्यक्षा कामेश्वर पासवान ने कहा कि दुर्भाग्य है कि 115 सांसद हमारे होने के बाद भी दलितों का उत्थान नहीं हो रहा है। संविधान निर्माता डॉ. अंबेदकर को नोबेल पुरस्कार मिलना चाहिए। सम्मेलन में बी.एन. राम, मधुसूदन कुमार, महेश पासवान, उमेश रविदास, राजानंद पासवान, गया प्रसाद, भिखारी राम, सावित्री देवी, संजय दास आदि थे।

– बृजनंनद प्रसाद
9199368704

धनबाद में संबोधित करते हुए डॉ. उदित राज एवं मंचासीन बृजनंदन प्रसाद के साथ परिसंघ के अन्य पदाधिकारी

अपना हक चाहती हैं ....

(पेज 1 का शेष ....)

उतरी, न्याय की मांग करती स्लिम औरतों को धमकी दे रहे हैं कि 'इस मांग पर आंदोलन करना बंद करो वरना मार देंगे।' मुसलमानों के शिया फिरके में एक सर्वे करवाने की जरूरत है, जिनमें ट्रिपल तलाक एक साथ नहीं माना जाता। पता किया जाए कि उनमें कितनी पत्नियों का खून हुआ। और हिंदू, जिन्हें 'तत्काल तलाक' में भी 3 महीने इंतजार करना पड़ता है, क्या पत्नियों का खून कर देते हैं या सुन्नी मुस्लिम पुरुष देश के बाकी पुरुषों से अलग किसी और तरह के मर्द हैं।

तीन तलाक एक वक्त में मुस्लिम महिला नहीं दे सकती। वह रिश्ता तोड़ना चाहे तो उसे कारण बताना पड़ता है, उस कारण पर मौलवी विचार करते हैं कि वह जायज है या नहीं। महिला को अपना 'महर', यदि वह शादी के वक्त न दिया हो तो छोड़ना पड़ता है, अगर दे दिया गया हो तो लौटाना पड़ता है और अक्सर कुछ और रकम देकर अपने लिए 'तलाक' खरीदना पड़ता है।

इतना करने के बाद भी 'तलाक, तलाक, तलाक' कहता पुरुष ही है, महिला नहीं। इसमें अक्सर कई साल लग जाते हैं क्योंकि इस्लाम चार शादियों की इजाजत देता है। पुरुष दूसरी शादी करके आराम से रहता है, और तलाक चाहने वाली महिला अकेली विधिशास्त्र के महकमों/संस्थानों के चक्कर काटती रह जाती है। बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी से भी पुरुष अक्सर छूट जाते हैं और पत्नी के प्रति तो उनकी ऐसी कोई जिम्मेदारी मानते ही नहीं मौलवी। बस महर देना जरूरी है, और अमूमन यह भी पूरी नहीं मिलती क्योंकि अक्सर तलाकनामा बनाने वाले मौलवी कुछ पैसों के लालच में 'महर अदा की गई' भी जोड़ देते हैं।

मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड कहता है कि लंबी चलने वाली न्यायिक कार्यवाही महिला के पक्ष में नहीं क्योंकि पुरुष उसे बदनाम करके उसके पुनर्विवाह के रास्ते बंद कर सकता है। तलाकशुदा होना इस देश में अपने आप में एक अभिशाप समझा जाता है। मौलवी तो बुर्का पहने हुए आंदोलनकारी महिलाओं को बदतरीन गालियां दे रहे हैं। इससे ज्यादा वे और क्या बदनाम होंगी।

यह सोचना महिलाओं का काम है कि वे इस बदनामी से कैसे जूझें। मौलवी लोग इसकी चिंता न करें। वे कहते हैं, बहुविवाह और एक बार में तीन तलाक मुसलमानों का सांस्कृतिक और सामाजिक मामला है, सुप्रीम कोर्ट को इससे दूर रहना चाहिए। किसी भी समाज में होने वाले अन्याय को लेकर सुप्रीम कोर्ट नहीं तो और कौन बोलेगा/ पुरुष जो अभी तक अन्याय करते रहे हैं उसका क्या।

कई पुरुष दूसरी शादी करके पहली वाली को तलाक नहीं देते क्योंकि वे महर नहीं देना चाहते। इस तरह वे दोनों शादियों का मजा ले सकते हैं, पहली वाली घर संभाले और दूसरी पति संभाले। यह भी कहते हैं कि बहुविवाह इसलिए महिला के फायदे में है क्योंकि इससे बहुत सारी महिलाओं की शादी हो जाती है, वरना वे कुंवारी रह जाएंगी।

शायद यह इतनी बुरी बात भी न हो क्योंकि बुरे रिश्ते से रिश्ते का न होना बेहतर है, और लड़की पढ़ी-लिखी, आत्मनिर्भर हो तो शायद वह अपनी मनमर्जी का साथी मिलने तक अकेली जीवन व्यतीत करना पसंद करे। इस्लाम में शादी एक कन्ट्रैक्ट है, यह बात सही है। लेकिन मौलवी कहते हैं इस कन्ट्रैक्ट में दोनों पार्टियां बराबर नहीं हैं। यह हमारे संविधान के विरुद्ध है, जो हर नागरिक को बराबर मानता है। यहां यह सवाल पूछने की भी जरूरत है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की वैधता क्या है। न्यायालय के लिए इस की राय लेना क्यों जरूरी है।

बदलाव विरोधी संस्था

यह मुद्दा महिलाओं का है। उन्हें ही इसे भोगना पड़ता है। वही इसके खिलाफ आवाज उठा रही हैं, पीआईएल दाखिल कर रही हैं, सड़क पर उतरी हैं। फिर यह कैसी मानसिकता है कि उस संस्था से राय मांगी जा रही है, जिस पर उलेमा हावी हैं, जो न कोई बदलाव चाहते हैं न कोई बदलाव लाने की सलाहियत रखते हैं। सिर्फ इतना ही नहीं कि तलाक एकतरफा है, मुसलमान महिला इसको मानने के लिए बाध्य है। वह न इसे नकार सकती है न ही इसे किसी कोर्ट में चुनौती दे सकती है।

दुनिया के 22 इस्लामी देश तीन तलाक को कब का रद्द कर चुके हैं, लेकिन भारत ऐसा एकमात्र जनतांत्रिक देश है, जहां यह आज भी जारी है। मुस्लिम महिलाएं सुप्रीम कोर्ट से बराबरी का हक मांग रही हैं। जो मामला अभी गरमाया है, कुछ दिन में उसमें उबाल भी आएगा। यह प्राकृतिक नियम है।

(लेखिका भारतीय महिला फेडरेशन की दिल्ली इकाई की अध्यक्ष हैं)

– नवभारत टाइम्स
(26/10/2016) से साभार

वनारस में मुस्लिम महिलाओं द्वारा महिला कचहरी का आयोजन

भारत ने विश्व को दी पंचशील की शिक्षा : डॉ. उदित राज

तथागत गौतम बुद्ध ने दिया पंचशील की शिक्षा। यह विश्व को भारत द्वारा विश्व को दी गयी अमूल्य भेंट है। बुद्ध गया, सारनाथ, कुशीनगर के बाद संसार में नागपुर की दीक्षा भूमि का महत्त्वपूर्ण स्थान है। ऐसा भी उन्होंने जोर देकर कहा।

कमठी (नागपुर) स्थित बाबा साहब डॉ. आंबेडकर संशोधन के प्रांगण में धम्मचक्र महोत्सव निमित्त आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध धम्म शांति परिषद् के अवसर पर डॉ. उदित राज जी बोल रहे थे।

बुद्धिष्टों व नव बुद्धिष्टों ने गौतम बुद्ध का धम्म देश के कोने-कोने में पहुंचाने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। विश्व में हिंसा व आतंकवाद पर बौद्ध धम्म की शिक्षा एकमात्र पर्याय है। साथ ही साथ वंचितों के अधिकारों के लिए 28 नवंबर, 2016 को लाखों की संख्या में रामलीला मैदान, नई दिल्ली में शामिल होकर समाज की ताक़त दिखाने की अपील की गई। कार्यक्रम का संचालन राहुल बांगडे, प्रस्तावना सुलेखा कुंभरे ने किया। परिषद में सिंगापुर, जापान, चीन, थाईलैंड, ब्रह्मदेश, ताइवान, तिब्बत, इंडोनेशिया आदि के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम में थाइलैंड की महारानी प्रिंसेस लुयांग व लद्दाख के भंते संघसेन भी उपस्थित थे।

डॉ. उदित राज, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अनुसूचित जाति/जन जाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ के शुभ हाथों से कलमेश्वर (नागपुर) में डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर सार्वजनिक वाचनालय (पुस्तकालय) का उद्घाटन किया गया। हजारों की संख्या में उपस्थितगणों से आह्वान किया गया कि शिक्षा के साथ ही साथ संगठित होकर अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए संघर्ष करना, आज समय की मांग है। इस अवसर पर लद्दाख के धर्मगुरू भंते संघसेन व परिसंघ के दीपक तभाने, नागपुर जिलाध्यक्ष ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का आयोजन मा. अरूण सहारे, घनश्याम जंगम, विजय डोण्डे द्वारा किया गया। 11 अक्टूबर, 2016 को 60वें धम्म दीक्षा, नागपुर के अवसर पर रविभवन, सभाग्रह, नागपुर में परिसंघ के विदर्भ प्रदेश के पदाधिकारी व शुभचिंतकों की 28 नवंबर, 2016 की महारैली, दिल्ली के संदर्भ पर परिषद आयोजित की गयी। सर्वप्रथम 60वें धम्म दीक्षा के अवसर पर बुद्ध वंदना भंते संघसेन लद्दाख के सहयोग से लिया गया। इस अवसर पर हर्षदीप कांबले, आई.ए.एस., जगदीश ग्वालवंशी, निगम पार्षद, व शेषराव काडे, प्रमोद तभाने, विशेष रूप से उपस्थित थे। एकदिवसीय परिचर्चा कार्यक्रम का संचालन दीपक तभाने के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संपूर्ण विदर्भ से, अमरावती, गोदिया, अकोला, बुल्डाना, वर्धा, चन्द्रपुर, कामठी औरंगाबाद के साथ ही साथ चेन्नई, मुंबई, दिल्ली, म.प्र., बिहार, उ. प्र. इत्यादि क्षेत्रों से धम्मबंधु व परिसंघ के पदाधिकारी उपस्थित हुए। डॉ. उदित राज, सांसद व राष्ट्रीय अध्यक्ष, परिसंघ ने भारत में वंचितों व दलितों पर बढ़ते अत्याचारों व शोषण पर चिंता प्रकट की। एकता की कमी व राजनैतिक-सामाजिक आंदोलनों के प्रति उदाहरणों के माध्यम से आवाहन किया कि वर्तमान में हम अपने मूलभूत मांगों व न्याय के लिए एकजुट शक्ति का प्रदर्शन नहीं कर पाये तो भावी युवा पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। विद्यार्थियों से भी अपील की गयी कि शिक्षा के साथ समाज के अधिकारों के लिए आगे आएं।

60वें धम्म दीक्षा दिन के अवसर पर आयोजित भोजनदान कार्यक्रमों में भी डॉ. उदित राज जी शामिल हुए। संपूर्ण कार्यक्रमों में डॉ. संजय काम्बले, सिद्धार्थ भोजने, प्रदीप मेंडे, विजय गेण्डे, अरविंद बोरघाटे, सुभाष बोरकर, अर्चना भोयर, बी.डी. रामटेके, जीवन रामटेके, माणिकलाल बोंबार्डे, प्रभुलाल परतेती, एस. आर. यावरे, सुनील मेश्राम, सुबोध मेश्राम, वसंत गायकवाड, कवडू धुर्वे इत्यादि उपस्थित थे।

– दीपक तभाने
9764830814

नागपुर आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. उदित राज का स्वागत करते हुए दीपक तभाने जी के नेतृत्व में नागपुर परिसंघ के नेता व पदाधिकारीगण

आगामी रैली से संबंधित हैंडबिल का नमूना छापा जा रहा है। परिसंघ के नेताओं से अपील है कि प्रदेश एवं जिला इकाइयों की ओर से भी छपवाकर वितरित करें।

अनुसूचित जाति/जन जाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ

के तत्वावधान में

19वीं महा रैली

28 नवंबर, 2016

रामलीला मैदान, नई दिल्ली

डॉ. उदित राज
पूर्व आईआरएस.
राष्ट्रीय अध्यक्ष

साथियो,

हम दलितों, आदिवासियों एवं पिछड़ों की समस्या केवल राजनीतिक नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी है। सरकार किसी की हो समस्याएं कम और ज्यादा के रूप में रहेगीं ही। जहां दलित मुख्यमंत्री रहे हैं, वहां भी अत्याचार होते थे। 1997 में जब सामाजिक न्याय की सरकार केन्द्र में थी तो पांच आरक्षण विरोधी आदेश जारी हुए थे। बाबा साहब ने कहा था कि राजनैतिक जनतंत्र तभी सफल होगा जब सामाजिक जनतंत्र कायम होगा और इसके लिए सामाजिक परिवर्तन – जैसे बौद्ध धम्म की दीक्षा, पाखंड का त्याग, जातिविहीन समाज, कम से कम दलितों में जात-पांत का खात्मा आदि। इससे यह बात समझ में आ जानी चाहिए कि हर हाल में हजारों वर्षों की असमानता और शोषण से हम सभी को स्वयं तो लगातार लड़ना ही होगा, सरकार चाहे जिसकी हो। मां-बाप ने जन्म दिया लेकिन आरक्षण बाबा साहब के प्रयास से मिला। आरक्षण केवल अपने उपभोग के लिए ही नहीं है, बल्कि संघर्ष करने के लिए। इसलिए चाहे मंत्री हों या सांसद या प्रधान या अधिकारी-कर्मचारी सभी समाज के सशक्तिकरण के लिए प्रतिनिधि हैं। झज्जर (हरियाणा) में गाय की खाल की खातिर 5 दलितों को मौत के घाट उतार दिया गया और हाल में उना (गुजरात) में क्या हुआ, हम सभी जानते हैं। अभी भी हमें कुछ लोग जानवरों से बदतर समझते हैं।

अनुसूचित जाति/जन जाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ का गठन 1997 में 5 आरक्षण विरोधी आदशों की वापिसी के लिए हुआ और उसके बाद धरना-प्रदर्शन व आंदोलन शुरू हुआ। 11 दिसंबर, 2000 को रामलीला मैदान, दिल्ली की रैली आज़ाद भारत की सबसे बड़ी रैलियों में से एक थी और सरकार पर दबाव बना जिसकी वजह से 81वां, 82वां एवं 85वां संवैधानिक संशोधन हुए और छिने अधिकार वापिस मिले। 4 नवंबर, 2001 को लाखों लोगों को बौद्ध धम्म की दीक्षा दिलाई। निजी क्षेत्र में आरक्षण के लिए संघर्ष की शुरुआत हमने ही की। 2006 में सुप्रीम कोर्ट में नागराज के नाम से मशहूर मुकदमा जो 85वें संवैधानिक संशोधन से संबंधित था, की पैरवी हमने ही की और जीते। पिछड़ों को उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण के खिलाफ सवर्णों के आंदोलन का भरपूर विरोध किया और इस अधिकार को लेकर रहे। अन्ना हजारे के आंदोलन के कारण जो लोकपाल बिल बन रहा था हमने बहुजन लोकपाल बिल पेश करके उसमें आरक्षण कराया। वरना दलितों व पिछड़ों को जातीय आधार पर फर्जी मामले में फंसाने का यह सबसे बड़ा प्लेटफार्म बनता। 2008 में तत्कालीन उ0प्र0 की मुख्यमंत्री सुश्री मायावती द्वारा आदेश जारी किया गया कि अनुसूचित जाति/जन जाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत 22 अपराधों में से सिर्फ बलात्कार एवं हत्या के मामले ही दर्ज किए जाएंगें, शेष मामलों में यह एक्ट नहीं लगेगा। तब हमने इलाहाबाद हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर करके इसे दुरुस्त कराया। इस अधिनियम में दिसंबर 2015 में संसद में संशोधन हुआ और अब 123 प्रकार के अपराध इसमें शामिल हैं।

पदोन्नति में आरक्षण का विधेयक संसद से पास होना है। आशा थी कि अब तक हो जाना चाहिए था लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इसे कराने के लिए महासंघर्ष करना पड़ेगा। जब से डॉ. उदित राज सांसद बने हैं, कोई अवसर नहीं छोड़ा, सवाल उठाने का और शायद ही कोई और सांसद इतना किया होगा (इसे बेबसाइट www.uditraj.com/gallery/video vkSj www.youtube.com/user/druditraj पर देखा जा सकता है)। निजी क्षेत्र में आरक्षण के लिए संसद में डॉ0 उदित राज ने प्राइवेट मेंबर बिल प्रतिस्थापित किया है। निजी क्षेत्र में आरक्षण क्या सवर्णों को चाहिए ? डॉ. उदित राज ने अपना काम कर दिया है, समाज क्यों सो रहा है ? क्यों नहीं लाखों-करोड़ों सड़क पर उतरते और सभी दलों पर दबाव डलवाकर संवैधानिक संशोधन कराकर निजी क्षेत्र में आरक्षण का अधिकार लें। आउट सोर्सिंग, ठेकेदारी और एडहाक नियुक्ति के जरिए आरक्षण लगभग आधा खत्म किया जा चुका है। इसके खिलाफ तो संघर्ष करना ही है लेकिन बिना निजी क्षेत्र में आरक्षण लिए गुजारा नहीं होगा। खाली पदों पर भर्ती, ठेकेदारी प्रथा की समाप्ति, एक राज्य के जाति प्रमाण-पत्र की सभी राज्यों में मान्यता, समान शिक्षा, सफाई कर्मचारियों का नियमितीकरण आदि मांगों को लेकर 28 नवंबर, 2016 (सोमवार) को प्रातः 11 बजे भारी संख्या में विशाल रैली में शामिल होकर ऐसा कर दिखाएं कि यह अधिकार मिलकर रहे।

निवेदक

ब्रह्म प्रकाश, परमेन्द्र, विनोद कुमार, रवीन्द्र सिंह, एन.डी. राम, रामनंदन राम (दिल्ली), जगजीवन प्रसाद, धर्म सिंह, केदारनाथ, सुशील कुमार, नीरज चक, निर्देश कुमारी (उ.प्र.), सिद्धार्थ भोजने, दीपक तभाने, संजय कांबले, सिद्धार्थ कांबले, सूर्यकांत किवांडे (महाराष्ट्र), एस.पी. जरावता, डॉ. मुख्तियार सिंह, महासिंह भूरानिया (हरियाणा), तरसेम सिंह, दर्शन सिंह चंदेढ़, रोहित सोनकर (पंजाब), विश्राम मीना, रंजीत मीना, एम.एल. रासु, मुकेश मीना (राजस्थान), हरिश्चंद आर्या (उत्तराखंड), आलेख मलिक, डी.के. बेहरा (उड़ीसा), परमहंस प्रसाद, नरेन्द्र कुमार (म.प्र.), रामूभाई वाघेला, एन.जे. परमार, नवल सोलंकी (गुजरात), एस. करुपइया, पी.एन. पेरुमल (तमिलनाडु), के. कृष्णन कुट्टी, बाला कृष्णन (केरल), मधु चन्द्रा (मणिपुर), के. महेश्वर राज, प्रकाश राठौर, जे. बी. राजू (तेलंगाना), डॉ. श्याम प्रसाद (आंध्र प्रदेश), अनिल मेश्राम, हर्ष मेश्राम (छ.ग.), कमल कृष्ण मंडल, रामेश्वर राम, सपन हलदर, विश्वजीत साह (प. बंगाल), मधुसूदन कुमार, दिनेश कुमार, एल.एम. ओरांव (झारखंड), आर.के. कलसोत्रा (जम्मू व कश्मीर), मदन राम, कुमार धीरेन्द्र, शिवधर पासवान (बिहार), जे. श्रीनिवासलू, चन्नप्पा (कर्नाटक), सीताराम बंसल (हि.प्र.), प्रदीप बास्फोर (असम).

www.facebook.com/parisangh.all.india
9717046047
@Parisangh1997
parisangh1997@gmail.com

Corres.: T-22, Atul Grove Road, Connaught Place, New Delhi-1
Tel: 011-23354841-42, 09013869549 Telefax: 011-23354843

28 नवंबर की रैली की तैयारी हेतु डॉ0 उदित राज के आगामी कार्यक्रम

अनुसूचित जाति/जन जाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ राष्ट्रीय चेयरमैन, डॉ0 उदित राज द्वारा रैली की तैयारी हेतु विभिन्न प्रदेशों का दौरा किया जा रहा है। उनके प्रमुख कार्यक्रम नीचे छापे जा रहे हैं। परिसंघ के प्रदेश, जिला एवं अन्य इकाइयों के पदाधिकारियों को भी विभिन्न स्थानों पर रैली की तैयारी हेतु कार्यक्रम किया जाना चाहिए। यदि बड़ी सभा अथवा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है तो उसमें डॉ. उदित राज जी स्वयं आ सकते हैं। वॉयस ऑफ बुद्धा के सभी अंकों में हैंडबिल और पोस्टर का नमूना छापा जा रहा है, इसमें स्थानीय नेताओं के नाम शामिल करके अधिक से अधिक संख्या में छपवाकर वितरित करें। लगभग सभी प्रदेशों में राष्ट्रीय कार्यालय से प्रचार सामाग्री भेजी जा चुकी है। फिर भी जिन लोगों को अभी तक प्राप्त नहीं हुई हैं या कम पड़ रही है और अपनी ओर से छपवाने में असमर्थ हैं तो अतिशीघ्र राष्ट्रीय कार्यालय में सुमित मो. 9868978306 से सम्पर्क करके मंगवा लें।

5 नवंबर, 2016
वाराणसी

6 नवंबर, 2016
परिसंघ का सम्मेलन
ऑडोटेरियम, सी.एस.जे.एम. यूनिवर्सिटी,
जी.टी. रोड, कानपुर
समय : प्रातः 10 बजे
सम्पर्क : सुशील कमल, मो. 9807416045

8 नवंबर, 2016
दलित सम्मेलन
मावलंकर हाल, कास्टीट्यूशन क्लब, नियर पटेल चौक मैट्रो, नई दिल्ली
प्रातः 10 से 5 बजे
सम्पर्क : इन्द्रेश खटीक
मो. 9650206337

आगामी रैली से संबंधित पोस्टर का नमूना छापा जा रहा है। परिसंघ के नेताओं से अपील है कि प्रदेश एवं जिला इकाइयों की ओर से भी छपवाकर वितरित करें।

रैली की तैयारी हेतु बुल्डाना में सभा

जब तक वर्णव्यवस्था तब तक आरक्षण की आवश्यकता : डॉ0 उदित राज

देश में आज भी वर्णव्यवस्था सुप्त अवस्था में है, इसलिए पात्रता होने के बावजूद भी पिछड़ी जाति के लोगों को अवसर नहीं मिल पा रहे हैं। डॉ. उदित राज जी बुल्डाना में अनुसूचित जाति/जन जाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ की ओर से आयोजित राज्यस्तरीय अधिवेशन में कार्यकर्त्ताओं का मार्गदर्शन कर रहे थे। परिसंघ की ओर से 28 नवंबर, 2016 को रामलीला मैदान, नई दिल्ली में महारैली का अयोजन किया गया है। इस रैली को सफल बनाने के लिए ही यह सभा आयोजित की गयी थी। डॉ. उदित राज जी ने अधिक से अधिक संख्या में इस रैली में शामिल होकर इसे सफल बनाने की अपील उपस्थित जनसमूह से की। इस बैठक में परिसंघ जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर धंवरे, आदिवासी आयुक्त संभाजी सरकुंडे, अंकुश, अशोक इंगले – नेता विपक्ष, अर्चना भोयर, दीपक तभाने, बी.टी. मंदेश्वर, विपळ, बाबा साहेब जाधव, मूले, नागसेन दनवे, राजेश सदावर्ते, भीमराव वानखेडे, सखाराम लहाने आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरूआत अनुसूचित जाति/जन जाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. उदित राज के हाथों बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा को पुष्प अर्पण कर किया गया। इसके बाद उपस्थित अतिथियों व आयोजकों की ओर से डॉ. उदित राज जी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का प्रस्ताविक चन्द्रशेखर चंदरे, सुरेश सावळे व प्रा. दीपक सपकाळ सूत्र संचालन किया। आभार प्रदर्शन उद्धव मूले ने माना कार्यक्रम की सफलता हेतु प्रा. प्रताप सयकाळ चन्द्रकांत झिने, आत्माराम चौमल, भास्करराव जाधव, प्रल्हाद कांबले, मदन मोरे, राजेश उमाळे, गणेश भास्कर, मुस्तफा केदार, आदि ने राज्य अधिवेशन यशस्वी करने के लिए परिश्रम किया।

दलित उत्पीड़न के मामले में दोषियों पर कार्यवाही नहीं की जा रही है। अनुसूचित जाति/जन जाति अत्याचार निवारण अधिनियम को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐक्ट कड़ा नहीं होने के कारण समाज ने पिछड़ी जाति के लोगों पर दिन ब दिन हमले बढ़ते जा रहे हैं।

– उद्धव मूले
9922899969

बुल्डाना में डॉ. उदित राज का स्वागत करते हुए उद्धव मूले के नेतृत्व में परिसंघ के पदाधकारीगण

पाठकों से अपील

'वॉयस ऑफ बुद्धा' के सभी पाठकों से निवेदन है कि जिन्होंने अभी तक वार्षिक शुल्क/शुल्क जमा नहीं किया है, वे शीघ्र ही बैंक ड्रॉफ्ट द्वारा 'जस्टिस पब्लिकेशंस' के नाम से टी-22, अतुल ग्रोव रोड, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001 को भेजें। शुल्क 'जस्टिस पब्लिकेशंस' के खाता संख्या 0636000102165381 जो पंजाब नेशनल बैंक की जनपथ ब्रांच में है, सीधे जमा किया जा सकता है। जमा कराने के तुरंत बाद इसकी सूचना ईमेल, दूरभाष या पत्र द्वारा दें। कृपया 'वॉयस ऑफ बुद्धा' के नाम ड्राफ्ट या पैसा न भेजें और मनीआर्डर द्वारा भी शुल्क न भेजें। जिन लोगों के पास 'वॉयस ऑफ बुद्धा' नहीं पहुंच रहा है, वे सदस्यता संख्या सहित लिखें और संबंधित डाकघर से भी सम्पर्क करें। आर्थिक स्थिति दयनीय है, अतः इस आंदोलन को सहयोग देने के लिए खुलकर दान या चंदा दें।

सहयोग राशिः

पांच वर्ष	:	600 रुपए
एक वर्ष	:	150 रुपए

Sample of the Handbill for the forthcoming Rally is being published. It is an earnest appeal to the Confederation Leaders that they should get it printed on behalf of State and District Units and distribute.

All India Confederation of SC/ST Organisations

19th Maha Rally

On

28 Nov 2016

at

Ramlila Ground, New Delhi

Dr. Udit Raj
National Chairman

Friends,

The problems faced by us, Dalits, tribals and backwards, are not just political, but due to social and economic reasons also. Whosoever may be in power, atrocities and discrimination will continue. Atrocities against us have occurred even where a Dalit was the Chief Minister. Dr. Ambedkar had said that without social democracy, political democracy will be meaningless, and for this, we must change society - through deeksha into Buddhism, abolition of superstitions, creation of a caste less society; at least, caste divisions amongst Dalits must be annihilated. Through all this, we can understand that thousands of years of inequalities and exploitation must be fought regularly, even if the Government is headed by Dalits or backwards. 5 anti-reservation orders were issued by DOPT when there was Social Justice Government at Centre. When Ku. Mayawati was the Chief Minister; we lost reservation in promotion case in Lucknow High Court. These examples make it amply clear the need to struggle on a regular basis. Our parents gave birth to us, but we got reservation only through the efforts of Dr. Ambedkar. Reservation was given not only for our own benefits, but to fight for other deprived brothers and sisters. This is why, irrespective of whether one be a Minister or a Member of Parliament or a sarpanch or an officer; they are all responsible to fight for the empowerment of society. In Jhajjar, Haryana 5 Dalits were killed for skinning the carcass of a dead cow; everyone knows the recent happenings in Una in Gujarat. Still, some people treat us as less than animals.

The All India Confederation of SC/ST Organisations was formed in 1997 to fight against 5 anti-reservation orders, and our fight began through rallies, agitations etc. The rally organised by the Confederation on 11th December 2000 at Ramlila Maidan, New Delhi was one of the largest in the history of independent India; this built pressure on the Govt., the 81st, 82nd and 85th Constitutional Amendments were passed and reservation was saved. On 4th November 2001, lacs of people took deeksha into Buddhism under the leadership of the Confederation. In 2006, we fought and won the Nagaraj case in the Supreme Court, related to the 85th Constitutional Amendment. We stood with OBC reservation in higher education in 2006. When the Anna Hazare movement pressed for a Lokpal Bill, we agitated against it and presented the Bahujan Lokpal Bill, and due to that, reservation was introduced here as well. Otherwise, the Lokpal could have become the largest platform for exploitation of SC/STs and OBCs by bringing fictitious cases of corruption.

In 2008, Ku. Mayawati, the then Chief Minister of Uttar Pradesh, passed orders that the Prevention of Atrocities Act, 1989, which included 22 atrocities, be applied only in cases of murder and rape. Then we fought against this in the Allahabad High Court by filing a Public Interest Litigation and it was restored to its original form. This Act was amended by Parliament in 2015, which included 123 atrocities. The Bill for reservation in promotion was to be passed by Parliament - it had been hoped that the Bill would be passed by now, but that has not happened. We have to start off a revolution to get this Act passed. From the time Dr. Udit Raj became a Member of Parliament, he has not left any opportunity to raise issues related to SC/STs in Parliament; it is likely that no other M.P. has raised as many issues – www.uditraj.com/gallery/video & www.youtube.com/user/druditraj

Dr. Udit Raj has introduced a private member Bill for reservation in the private sector in Parliament. Do the forward castes need reservation in private sector? Dr. Udit Raj has done his duty - why is society still sleeping? Why have lacs and crores of people not come out on the street and pressured political parties to pass a Constitutional Amendment for reservation in the private sector? More than half of reservation has already been diluted by outsourcing, contract system and ad hoc appointments. We have to continue fighting against this, but we cannot survive without reservation in private sector. To fight for our main demands of filling up of backlog vacancies, stopping outsourcing and contract system, regularization of safai karamcharis, caste certificates issued by one state being valid throughout the country, equal education etc., you must participate in the rally on 28th November 2016 at Ramlila Maidan, New Delhi at 11 AM to ensure that we get our rights.

By :

Brahm Prakash, Parmendra, Vinod Kumar, Ravindra Singh, N. D. Ram, Ramnandan Ram, (Delhi), Jagjivan Prasad, Dharam Singh, Kidarnath, Sushil Kumar, Neeraj Chak, Nirdesh Kumari (UP), Siddhartha Bhojane, Deepak Tabhane, Sanjay Kamble, Siddhartha Kamble, Suryakant Kiwande (Maharashtra), S. P. Jarawata, Dr. Mukhtiyar Singh, Mahasingh Bhurania (Haryana), Tarsem Singh, Dharshan Singh Chanded, Rohit Sonkar (Punjab), Vishram Meena, Ranjeet Meena, M.L. Rasu, Mukesh Meena (Rajasthan), Harishchand Arya, (U.K.), Alekh Malik, D. K. Behera (Orissa), Param Hans Prasad, Narender Kumar (M.P.), Ramubhai Vaghela, N.J. Parmar, Naval Solanki (Gujarat), S. Karuppaiah, P. N. Perumal (Tamilnadu), K. Krishnan Kutty, Bala Krishnan (Kerala), Madhu Chandra (Manipur), K. Maheshwar Raj, Prakash Rathor, J. B. Raju (Telangana), Dr. Shyam Prasad (A.P.), Anil Meshram, Harsh Meshram (Chhattisgarh), Kamal Krishna Mandal, Rameshwar Ram, Sapan Haldar, Vishwajit Shah (W. Bengal), Madhusudan Kumar, Dinesh Kumar, L. M. Oraon (Jharkhand), R. K. Kalsotra (J & K), Madan Ram, Kumar Dhirendra, Shivdhar Paswan (Bihar), J. Shriniwaslu, Channappa (Karnataka), Sitaram Bansal (H.P.), Pradeep Basfor (Assam)

www.facebook.com/parisangh.all.india
9717046047
@Parisangh1997
parisangh1997@gmail.com

Corres.: T-22, Atul Grove Road, Connaught Place, New Delhi-1
Tel: 011-23354841-42, 09013869549 Telefax: 011-23354843

रैली की तैयारी हेतु 'आरक्षण बचाओ रथयात्रा' शुरू

दिल्ली की सभी 70 विधान सभाओं और एनसीआर का भ्रमण करके रामलीला मैदान में होगा समापन

अनुसूचित जाति/जन जाति संगठनों का अखिल भारतीय परिसंघ द्वारा आगामी 28 नवंबर, 2016 को रामलीला मैदान, दिल्ली में आयोजित रैली को सफल बनाने हेतु 1 नवंबर, 2016 से डॉ0 उदित राज के नेतृत्व में 'आरक्षण बचाओ रथयात्रा' परिसंघ की दिल्ली इकाई द्वारा शुरू की गयी है। यह रथयात्रा दिल्ली की सभी 70 विधानसभाओं की सभी प्रमुख बस्तियों में जाकर परिसंघ के उद्देश्यों व उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करेगी और आगामी रैली में लोगों को भारी संख्या में शामिल होने का आवाहन करेगी। दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों जैसे - फरीदाबाद, गाजियाबाद, नोएडा, गुड़गांव आदि स्थानों पर भी यह रथयात्रा जाएगी। प्रमुख स्थानों पर राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. उदित राज स्वयं रथयात्रा का नेतृत्व करेगें। नीचे रथयात्रा का रूट एवं संपर्कसूत्र छापा जा रहा है। दिल्ली व एनसीआर के परिसंघ से जुड़े सभी लोगों से आवाहन किया जाता है कि जिस विधान सभा में वे रथयात्रा का स्वागत व सभा करवाना चाहते हैं, संबंधित व्यक्ति से सम्पर्क करें और विवरण लिखवा दें। विवरण सीधे राष्ट्रीय कर्यालय के व्हाट्सअप, ईमेल, मोबाइल जो वॉयस ऑफ बुद्धा के इसी अंक में हैंडबिल, पोस्टर के नमूने के साथ छापा जा रहा है, पर सम्पर्क करके लिखवा सकते हैं। जिन लोगों ने अभी तक विधान सभा स्तर पर रथयात्रा के स्वागत हेतु वायदा किया है, उनका विवरण नीचे छापा जा रहा है -

क्र.सं.	विधान सभा का नाम	सम्पर्क सूत्र
1	नई दिल्ली	फकीर चंद - 9899388615
2.	कस्तूरबा नगर	---
3.	ग्रेटर कैलाश	राज कुमार गौतम - 9871748765
4	मालवीय नगर	सोमपाल चौहान - 9999747085
5	आर.के. पुरम	सत्य नारायण - 7838195167
6	राजेन्द्र नगर	लेखराज - 9968220803
7.	मोती नगर	चन्द्रगुप्त - 9211523595
8	दिल्ली कैंट	कासिम - 9891368817
9	पटेल नगर	बेचन भारती - 9899996815
10	करोल बाग	पी.डी. सबलानिया - 9811365455
11	चांदनी चौक	सुधाकर बंशीवाल - 9313667123
12	सदर बाजार	प्रदीप बैरवा - 9211544229
13	बल्लीमारान	विजय कुमार जाटव - 9250819353
14	मटियामहल	--
15	मॉडल टाउन	दिनेश चौटाला - 8447582400
16	शकूरपुर	अनिल कुमार - 9999789770
17	त्रिनगर	---
18	वजीरपुर	जसवंत - 9911205155
19	आदर्श नगर	---
20	शालीमार बाग	हरिओम - 9891204136
21	रोहिणी	भानु पुनिया - 9013332151
22	बादली	इन्द्र सिंह जाटव - 9213341056
23	नरेला	बिजेन्द्र सिंह - 9811510105
24	बवाना	धर्म सिंह - 9891438733
25	रिठाला	संदीप कुमार - 9871244245
26	मंगोलपुरी	आर.के. वर्मा - 9868626335
27	सुल्तानपुरी	दौलत राम - 9210328531
28	किराड़ी	संजय जाटव - 9211349878
29	मुंडका	शंभूनाथ - 9968254068
30	नागलोई	चतर सिंह रछोया - 8130892031
		दयानंद - 9868820658
31	नजबगढ़	राजेन्द्र श्रीवास - 9654991265
32	मटियाला	फूल सिंह - 8447669007
33	द्वारका	संजय गोडाला - 989346401
34	उत्तम नगर	श्यामफूल बागड़ी - 9958528199
35	विकास पुरी	अशोक कुमार - 9971295311
36	जनकपुरी	---
37	हरीनगर	भजन सिंह - 8471023480
38	तिलकनगर	कृष्णलाल - 9350318100
39	राजौरी गार्डन	गुड्डू - 9990394746
40	मादीपुर	कैलाश गंगवाल - 9999028799
41	पालम	जगदीश तमोलिया - 9871847207
42	बिजवासन	ललित तंवर - 9868704345
43	मेहरौली	सी.पी. सोनी - 9818351761
44	छत्तरपुर	सतीशचंद महरौलिया - 9810330384
45	अंबेडकरनगर	राजेन्द्र खिरौलिया - 9811535252
46	देवली	भूपेन्द्र कुमार - 9811116987
47	संगम विहार	सुशील कुमार खटीक - 9650752132
48	तुगलकाबाद	जयसिंह मनोहर - 9958391205
49	कालकाजी	---
50	बदरपुर	बाबू लाल सिंह - 9716110011
51	ओखला	---
52	जंगपुरा	गौरी अबूपुरिया - 9891582367
53	त्रिलोकपुरी	राजकुमार पारचा - 9999679343
54	कोंडली	अमरचंद - 9810752760
55	पटपड़गंज	मुकेश - 9313786433
56	लक्ष्मीनगर	विक्रम सिंह - 8447311712
57	विश्वासनगर	राजकुमार धिंगान - 9811813662
58	कृष्णानगर	गिरेन्द्र नाथ - 9968055515
59	गांधीनगर	जीतू - 9971278846
60	शाहदरा	सुभाष नारायण गौड़ - 9650016629
61	सीलमपुर	---
62	सीमापुरी	हरीशंकर ढकोलिया - 9999483813
63	रोहताश नगर	मदन लाल - 8130809228
64	बाबरपुर	राहुल - 9250345866
65	गोकलपुरी	वीर सिंह शेहरावत - 9811142558
66	मुस्तफाबाद	मनीष - 9990313649
67	करावल नगर	डॉ. गोविल - 9313099320
68	घोंडा	एस. देव ठगेला - 9868091149
69	तिमारपुर	हरविलास - 9210504541
70	बुराड़ी	राजेन्द्र खटीक - 9968881873

☆ ☆ ☆

Dr. Udit Raj on 2 day West Bengal visit for Rally preparation

24th October 2016: West Bengal state conference of the Confederation was organized under the leadership of Shri Subrata Batul was organized on 24th October 2016 at Pingla Auditorium, West Medinipur district, West Bengal. Dr. Udit Raj, National Chairman of the Confederation was the Chief Guest at the conference, which was attended by around 1200 delegates and 400 observers, from 16 districts of West Bengal, out of a total of 21 districts in the state. Reservation in promotion and private sector, and strict implementation of the Prevention of Atrocities Act, 1989 were the main issues discussed at the conference. Dr. Udit Raj spoke in detail about these issues and spoke of them as the main demands of the Confederation, to press for which a massive rally is being organized on 28th November 2016 at Ramlila Maidan, New Delhi. Dr. Udit Raj also gave a clarion call to Dalits in West Bengal to mobilize and participate in the historic rally in Delhi, under the banner of the Confederation.

Dr. Udit Raj with Subrata Batul and other Confederation Leaders at West Bengal Conference held at Pingala on 24th October

25th October 2016: A convention of the All India Confederation of SC/ST Organizations was organized at Kolkata, West Bengal by the Calcutta Customs Employees Depressed Classes League, Service Tax and Customs West Bengal Unit, led by its Secretary, Shri P Bala on 25th October 2016 at Central Excise Auditorium Hall, 180 Rajdanga, Santipally, Kolkata 700 107 on,"Evolution of SC/ST & OBC employees including reservation/promotion in Government services and ending atrocities against Dalits." Dr. Udit Raj, the National Chairman of the Confederation was the Chief Guest of at the convention.

Dr. Udit Raj with P. Bala and other Confederation Leaders at the Confederation Convention held by Calcutta Customs Employees Depressed Classes League, Service Tax and Customs West Bengal

While addressing the Convention, Dr. Udit Raj said that the 19th Rally of the Confederation will be held on 28th November 2016 at Ramlila Maidan, Delhi to pressure the Government to pass bills for reservation in private sector and reservation in promotion, and to find ways to end atrocities against Dalits. He called upon the leaders of the Calcuta Customs Employees Depressed Classes League and leaders of the West Bengal unit of the All India Confederation of SC/ST Organizations to participate in the rally in large numbers, and make it a grand success.

Karnataka unit of Confederation holds state level seminar

The Karnataka state level seminar of the All India Confederation of SC/ST Organizations was held on 21st October 2016 at Sheshadripuram 1st Grade College, Yelahanka New Town, Bangalore. The Chief Guest at the conference was Dr. Udit Raj, Chairman of the Confederation, who was welcomed to the conference with a salute of honour by 100 NCC cadets, which was organized with cooperation from the Principal of Sheshadripuram College Shri Venkatesh.

Dr. Udit Raj at the dias with Channappa, S. Karupaiyah, Ravinder Singh, Maheshwar Raj and other Confederation leaders and a glimps of the participants

The conference was attended by delegates from all over Karnataka, especially members of GTRE, BEML, RWF, NAL, ADE, LRDE, 515 – ABW, MES, Canara Bank, Syndicate Bank, NGOs, State Government employees from Revenue and Education departments, various pro – Dalit organizations and progressive revolutionary thinkers etc.

While addressing the conference, Dr. Udit Raj spoke at length regarding reservation in private sector, reservation in promotion, atrocities against Dalits and about the rally being organized by the Confederation at Ramlila Maidan, New Delhi on 28th November 2016. Dr. Udit Raj also spoke about the need to forge unity amongst all SC/ST Organizations and participate in large numbers at the rally in Delhi to show the might of the Confederation at New Delhi and outside Parliament as well. Dr. Udit Raj also emphasised that even though he belongs to the ruling party, it should not occur to anyone that the goals of the Confederation could be easily attained – the goals can only be attained if everyone comes together and fights for it.

Inaugurating the conference, Shri Purushotham Dass asked all SC/ST organizations to unite under the banner of the Confederation, which is the only true voice for our demands.

Other special invitees who were present at the conference included, Shri Mavalli Shankar, State Convener DSS, Shri Ravinder Singh, Confederation General Secretary, New Delhi, Shri K Maheshwar, Confederation State President AP & Telangana, Shri S Karuappaiah, Tamil Nadu State President of the Confederation, Mumbai Confederation State President Shri Sanjay Kamble, Shri Kumara Swamy of Dalit Christian Associations and office bearers of the Confederation from all districts of Karnataka.

Karnataka State General Secretary, Shri Channappa, while addressing the conference, spoke about the enormous efforts required to mobilize people from all over Karnataka in a short span of time, and especially thanked Shri R Rajasegaran, President BEML SC/ST Welfare Association who ensured attendance of more than 100 members at the conference from KGF, and Senior Vice President Shri Shanmugam and Shri S Shivashankar, Working President RWF Zone for their tireless efforts in making the conference a success. Shri Channappa also thanked college lecturers Smt. Geetha and Smt. Nethra for their cooperation in conducting and anchoring the program. Shri R Rajasegaran spoke about various grievances at various levels of the Government and gave suggestions regarding their redressal. The vote of thanks at the conference was proposed by Karnataka Confederation Treasurer, Shri Surendran M.

VOICE OF BUDDHA

Publisher : Dr. UDIT RAJ (RAM RAJ), Chairman - Justice Publications, T-22, Atul Grove Road, Connaught Place, New Delhi-110001, Tel: 23354841-42

● Year : 19 ● Issue 23 ● Fortnightly ● Bi-lingual ● Total Pages 8 ● 16 to 31 October, 2016

RALLY ON 28 NOVEMBER – TIME TO DO OR DIE

Employees and others have got a thought fixed in their minds that only their leaders, politicians, MPs and MLAs should raise their issues. We have wasted 70 years waiting for this. Will continue to see our rights and respect continue being snatched away waiting for some else to fight for us? In a democracy, not much can be gained by force and can be obtained only through our will, efforts and sacrifices. Common people only think and discuss why our leaders are not raising their voices? To obtain our rights is not as easy as people think. Is there are a shortage of ticket seekers? Is there a shortage of selfish people? Those who raise their voice are pushed to a side and sycophants are made to take their place. Does our society come out in favor of those sidelined? The day we realize that only we have to fight for our rights, then they will forget leaders and we will start gaining. Dr. Udit Raj has been trying for so many years to organize people and create pressure to pass bills for reservation in private sector and reservation in promotion, but he has not received the necessary support nor is he likely to receive the support. Dr. Udit Raj has already introduced a Bill in Parliament for reservation in private sector, then why is society silent? Where are the so called Ambedkarites? Is the reservation in private sector for the upper castes that they should come and fight for it? Since this fight is ours, have we been able to come forward and fight such as the Jats, Marathas and Patels have done? It is important to know in their agitations, there was no leader involved and the entire community came forward to agitate. This is what we will also have to do to make the rally being organized on 28th November 2016 at Ramlila Maidan, New Delhi successful.

Marathas are fighting for reservation in Maharashtra, where they are the dominant community in business, education, agriculture and politics, yet they have are fighting in thousands and lacs – those who need are waiting for their leaders to fight for them. The All India Confederation of SC/ST Organizations is an umbrella organization of thousands of organizations – if all these organizations come together even for a day, we can achieve a lot at the rally.

Those who did not attend the Confederation conference on 9th October and have not received promotional material for the rally should contact Sumit Kumar in the Confederation Central Office, and distribute promotional material with names and photographs of local leaders. Information is continuously being sent through SMS, whatsapp, email, Facebook etc. to those whose contact details are available in the Central office. Those who are not receiving such information should also contact the central office immediately, so that information may be sent to them as well.

Those who have already booked railway tickets for the rally which are not confirmed should send complete details by email, whatsapp or sms so that their tickets can be confirmed by the central office. Those who have not booked tickets till now should book them immediately.

Railway employees can contact Sachin (9560035350) for information regarding conference of Railway employees; for information and promotional material regarding Confederation, confirmation of railway tickets and other information, contact Sumit (9868378306), for information about stay and food arrangements in Delhi for rally contact Sanjay Raj (9654142705). Those attending the rally should let us know about number of people before hand so arrangements for stay and food can be made for them.

Dr. Udit Raj
National Chairman

Sample of the Poster for the forthcoming Rally is being published. It is an earnest appeal to the Confederation Leaders that they should get it printed on behalf of State and District Units and distribute.

By : Brahm Prakash, Parmendra, Vinod Kumar, Ravindra Singh, N. D. Ram, Ramnandan Ram, (Delhi), Jagjivan Prasad, Dharam Singh, Kidarnath, Sushil Kumar, Neeraj Chak, Nirdesh Kumari (UP), Siddhartha Bhojane, Deepak Tabhane, Sanjay Kamble, Siddhartha Kamble, Suryakant Kiwande (Maharashtra), S. P. Jarawata, Dr. Mukhtiyar Singh, Mahasingh Bhurania (Haryana), Tarsem Singh, Dharshan Singh Chanded, Rohit Sonkar (Punjab), Vishram Meena, Ranjeet Meena, M.L. Rasu, Mukesh Meena (Rajasthan), Harishchand Arya, (U.K.), Alekh Malik, D. K. Behera (Orissa), Param Hans Prasad, Narender Kumar (M.P.), Ramubhai Vaghela, N.J. Parmar, Naval Solanki (Gujarat), S. Karuppaiah, P. N. Perumal (Tamilnadu), K. Krishnan Kutty, Bala Krishnan (Kerala), Madhu Chandra (Manipur), K. Maheshwar Raj, Prakash Rathor, J. B. Raju (Telangana), Dr. Shyam Prasad (A.P.), Anil Meshram, Harsh Meshram (Chhattisgarh), Kamal Krishna Mandal, Rameshwar Ram, Sapan Haldar, Vishwajit Shah (W. Bengal), Madhusudan Kumar, Dinesh Kumar, L. M. Oraon (Jharkhand), R. K. Kalsotra (J & K), Madan Ram, Kumar Dhirendra, Shivdhar Paswan (Bihar), J. Shriniwaslu, Channappa (Karnataka), Sitaram Bansal (H.P.), Pradeep Basfor (Assam)

Corres.: T-22, Atul Grove Road, Connaught Place, New Delhi-1 Tel: 011-23354841-42, 09013869549 Telefax: 011-23354843

Appeal to the Readers

You will be happy to know that the **Voice of Buddha** will now be published both in Hindi and English so that readers who cannot read in Hindi can make use of the English edition. I appeal to the readers to send their contribution through Bank draft in favour of **'Justice Publications'** at T-22, Atul Grove Road, Connaught Place, New Delhi-110001. The contribution amount can also be transferred in 'Justice Publications' Punjab National Bank account no. 0636000102165381 branch Janpath, New Delhi, under intimation to us by email or telephone or by letter. Sometimes, it might happen that you don't receive the Voice of Buddha. In that case kindly write to us and also check up with the post office. As we are facing financial crisis to run it, you all are requested to send the contribution regularly.

Contribution:
Five years : Rs. 600/-
One year : Rs. 150/-

Publisher, Printer and Editor - Dr. UDIT RAJ (FORMERLY KNOWN AS RAM RAJ), on behalf of Justice Publications, T-22, Atul Grove Road, Connaught Place, New Delhi-110001, Tel: 23354841-42, Telefax:23354843, Printed at Sanjay Printing Works, WZ-4A, Basai Road, New Delhi.
Website : www.uditraj.com E-mail: parisangh1997@gmail.com Computer typesetting by C. L. Maurya